पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राज्यपाल सूचना परिसर)

राज्यपाल ने शहीद दिवस पर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि देकर राजभवन में श्रद्धांजलि अर्पित की

गांधी जी के मूल्यों को जीवन में आत्मसात करें

गांधी जी ने मन की स्वच्छता, शरीर की स्वच्छता, विचारों की स्वच्छता हेतु जीवन पर्यंत कार्य किया

भारत की नीति शांति की नीति है
–राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊः 30 जनवरी, 2024

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर आज राजभवन में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि देकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर राजभवन के अध्यासित बच्चों द्वारा गांधी जी के प्रिय भजनों की प्रस्तुति दी गयी तथा भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने जीवन की आहुति देने वाले शहीदों की स्मृति में राजभवन के समस्त अधिकारीगण व कर्मचारियों ने 02 मिनट का मौन रखा गया।

राज्यपाल जी ने अपने संबोधन में कहा कि गांधी जी के मूल्यों को जीवन में आत्मसात करना चाहिए। उन्होंने कहा कि गांधी जी के जीवन मूल्यों में स्वच्छता का महत्व सर्वाधिक था। गांधी जी ने मन की स्वच्छता, शरीर की स्वच्छता, विचारों की स्वच्छता हेतु जीवन पर्यंत कार्य किया। राज्यपाल जी ने कहा कि भारत में चल रहे आजादी के आंदोलन को गांधी जी ने गति दी तथा

एक सक्षम नेतृत्व प्रदान किया। इस क्रम में गांधी जी असहयोग आन्दोलन, किसान आंदोलन, सत्याग्रह, दांडी यात्रा का नेतृत्व किया।

राज्यपाल जी ने कहा कि राष्ट्रपिता ने स्वेदेशी अपनाने पर बल दिया जिसमें स्वदेशी शिक्षा, स्वदेशी वस्त्र आदि को अपनाने हेतु आह्वान किया गया। राज्यपाल जी ने कहा कि आज पूरे भारत में खादी की बिक्री सराहनीय है, लाखों परिवारों का जीवन इस पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि देश के वर्तमान प्रधानमंत्री जी का भी यह आह्वान है कि सभी के घर में एक– दो कपड़े खादी के होने चाहिए।

राज्यपाल जी ने कहा कि गांधी जी ने अस्पृश्यता को दूर करने हेतु जीवनपर्यंत प्रयास किया। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान विद्यार्थियों से कॉलेज छोड़ो का आह्वान किया व इसी क्रम में उन्होंने गुजरात विद्यापीठ की स्थापना की। उन्होंने कहा कि गांधी जी ने महिला शिक्षा हेतु भी प्रयास किया। राज्यपाल जी ने कहा कि आज की आजादी गांधी जी व स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के योगदान का परिणाम है।

राज्यपाल जी ने कहा कि कोई भी कार्य छोटा नहीं है, और यदि भारत को आगे बढ़ाना है तो हमें सभी कार्य दिल से करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि भारत की अपनी नीति शांति की नीति है। शांति है, तो प्रगति है, सद्भाव है, समृद्धि है, और भाईचारा है।

इस अवसर पर विशेष सचिव श्री राज्यपाल श्री बी0एन0 सिंह, विशेष कार्याधिकारी शिक्षा डॉ0 पंकज जानी तथा राजभवन के समस्त अधिकारीगण एवं कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

———————

कृष्ण कुमार– सूचना अधिकारी/राजभवन
सम्पर्क सूत्र 9454468250